शंकरा | By Ishrat Jahan

डमक डम डमरू बाजे हो मेरा भोला नाचे
सावन में घिर घिर आई घटाएं
खोल दी भोले ने अपनी जटाएं
डमक डम डमरू बाजे .....

शीश पे भोले के रहती हैं गंगा
भक्तों से इनके कोई लेता ना पंगा
काँधे पे कांवर साजे झूम के कांवरिया नाचे
सावन में घिर घिर आई घटाएं
खोल दी भोले ने अपनी जटाएं
डमक डम डमरू बाजे .....

संग गणेश और गौरा विराजे
मस्तक पे इनके चन्द्रमा साजे
अंग में भस्म रमाये झूमते नंदी आये
सावन में घिर घिर आई घटाएं
खोल दी भोले ने अपनी जटाएं
डमक डम डमरू बाजे .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a4%82%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-ishrat-jahan/